इलाहाबाद यूपी ग्रामीण बैंक

प्रधान कार्यालय : डी.एम. कालोनी, बांदा

मिथिलेश कुमार (अध्यक्ष)

प्रिय साथियों,

सादर अभिवादन,

इलाहाबाद यू पी ग्रामीण बैंक का अध्यक्षीय कार्यभार ग्रहण करते हुए मुझे अत्यन्त हर्ष का अनुभव हो रहा है। प्रवर्तक इलाहाबाद बैंक द्वारा मुझे उत्तर प्रदेश के **11** जनपदों में विस्तारित **650** शाखाओं वाले विशाल नेटवर्क, **1.01** करोड़ के ग्राहक आधार व रू. **16000** करोड़ से अधिक के व्यवसाय वाले ग्रामीण बैंक का नेतृत्व सौंपे जाने से मैं गौरवान्वित हूँ तथा मुझे पूर्ण विश्वास है कि मैं भारत सरकार, प्रवर्तक बैंक उ.प्र. सरकार, तथा ग्राहकों की अपेक्षाओं को अवश्य पूरा कर सकूंगा।

मुझे यह देखकर प्रसन्नता हो रही है कि बैंक अपनी स्थापना के समय से ही लाभ की स्थिति में है तथा वर्तमान में बैंक के पास रू. **789** करोड़ का बड़ा पूंजी आधार है जो बैंक की मजबूत वित्तीय स्थिति का परिचायक है।

बैंक बैंकिंग कोड्स एण्ड स्टैन्डर्डस बोर्ड ऑफ इण्डिया (BCSBI) का सदस्य है तथा ग्राहक सेवा के सम्बन्ध में उसके मानकों का पूर्ण अनुपालन करता है।

सुदूर ग्रामीण अंचलों में अपने ग्राहकों को बैंकिंग सेवा प्रदान करने हेतु बैंक द्वारा शाखा नेटवर्क के अतिरिक्त **1173** बैंक मित्रों की भी सेवायें प्राप्त की गयी हैं जो सूचना संचार तकनीकी का प्रयोग करके खाता खोलने, नकद निकासी/जमा, धनान्तरण आदि सेवायें उपलब्ध करा रहे हैं। ग्राहकों की सुविधा हेतु बैंक द्वारा **154** एटीएम भी स्थापित किये गये हैं जिनमें से **102** ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं।

बैंक अपने ग्राहकों को डिजिटल तकनीकी आधारित उन्नत बैंकिंग सेवायें यथा NEFT, RTGS, प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण, आई.एम.पी.एस., ए.ई.पी.एस., मोबाइल बैंकिंग आदि उपलब्ध कराकर भारत सरकार के डिजिटल इण्डिया अभियान में सक्रिय योगदान दे रहा है। शीघ्र ही हम बैंक को UPI/BHIM प्लेटफार्म पर भी लाने जा रहे हैं।

भारत सरकार के डिजिटल इण्डिया अभियान के अन्तर्गत बैंक द्वारा एक ग्राम को **डिजिटल ग्राम** के रूप में विकसित किया गया है तथा चालू वर्ष में ऐसे **09** और डिजिटल ग्राम विकसित करने की योजना है।

बैंक ने उत्तर प्रदेश सरकार की ऋण मोचन योजना को सफलतापूर्वक लागू किया है तथा सरकार की मंशा के अनुरूप योजना के लाभार्थियों को पुनः ऋण देकर कृषि को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ग्रामीण बैंकों की स्थापना के उद्देश्य के अनुरूप बैंक के सकल ऋणों का **96%** प्राथमिकता क्षेत्र को प्रदान किया गया है जिसमें से **88%** केवल कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी है। बैंक द्वारा ऋण प्रदान करने में लघु/सीमान्त कृषकों व कमजोर वर्गों को वरीयता दी जा रही है। महिला सशक्तिकरण हेतु बैंक द्वारा स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम के अन्तर्गत **13534** महिला समूहों का गठन किया जा चुका है। चालू वित्त वर्ष में हमारी प्राथमिकता होगी कि कृषि निवेश, सूक्ष्म व लघु उद्यम तथा व्यापार क्षेत्र हेतु ऋण को बढ़ावा दिया जाय जिससे कि इन क्षेत्रों में भी रोजगार के नये अवसर उपलब्ध हों।

हमारा लक्ष्य सूचना प्रौद्योगिकी व मानव संसाधन के बेहतर एवं कुशल उपयोग से उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करते हुए बैंक को उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर ले जाना है तथा ग्रामीण बैंकों के उद्भव के उद्देश्य को पूरा करना है।

हमारी सेवाओं को और उत्कृष्ट बनाने हेतु आपके बहुमूल्य सुझावों का स्वागत है। मुझे आशा है कि इस बैंक को गौरवशाली बनाये रखने में मुझे आपका सहयोग पूर्व की भांति प्राप्त होता रहेगा।

शुभकामनाओं सहित।

आपका

स्थान : बांदा (उ.प्र.)
दिनांक : 20.11.2017

(मिथिलेश कुमार)